वाणिज्य, व्यापार और बैंकिंग के क्षेत्र में हिन्दी

वाणिज्य और व्यापार का संबंध समाज के विभिन्न वर्गों से होता है जो लोग वाणिज्य व्यापार के कार्य में लगे होते हैं उनकी भाषा की विशिष्ट शब्दावली और मुहावरा होता है। वे लोग अपने कार्यकाल में तो इसका इस्तेमाल करते ही हैं आम आदमी का भी इस भाषा से कहीं न कहीं न वास्ता रहता है

क्योंकि वाणिज्य और व्यापार का क्षेत्र जीवन का बड़ा ही व्यापक और महत्वपूर्ण क्षेत्र होता है। आप कोई चीज खरीदेंगे तो "कैश मीमो" लेंगे, किसी चीज के लिए पैसे का "भुगतान" करेंगे तो उसकी "रसीद" लेंगे "पूंजी निवेश" करेंगे उसका "हिसाब-किताब" रखेंगे। इस प्रकार कहीं न कहीं इस भाषा से सभी का वास्ता पड़ता है। इसी तरह बैंक में खाता रखने की आवश्यकता सभी की होती है।

व्यापार और वाणिज्य का विस्तार किसी भाषा विशेष के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता.बल्कि यह अंतर्राज्यीय अंतर्प्रांतीय और अंतर्राष्ट्रीय होता है। हिंदी भारतीय समाज में व्यापार वाणिज्य की भाषा बहुत समय से रही है। संपर्क भाषा के रूप में इसने देशव्यापी वाणिज्य और व्यापार को सुलभ बनाया है यही कारण है कि इस क्षेत्र में विकसित शब्दावली और मुहावरा हिंदी की बोलियों में खूब प्रचलित रहा है और आज भी यह काफी हद तक अपने परंपरागत रूप में उपलब्ध है। साथ ही साथ अंग्रेजी के प्रसार और अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य और व्यापार की भाषा अंग्रेजी होने के कारण आज इस क्षेत्र में अंग्रेजी शब्दावली का भी भरपूर समावेश हुआ है। उदाहरण के लिए, निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये :

कई लोग व्यावसायिक उद्यम के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं। ये लोग या पक्ष निम्नलिखित हैं : मालिक, प्रबंधक, ऋणदाता, लेनदार, संभावित निवेशकर्ता, कर प्राधिकारी, कर्मचारी.आदि। इन लोगों को जो जानकारी उपलब्ध कराई जाती है, उसके आधार पर वे उद्यम के संबंध में निर्णय लेते हैं। यह सूचना उन्हें, साधारणतः वार्षिक रिपोर्ट के रूप में दी जाती है। इसे "वित्तीय रिपोर्ट" कहते हैं। वित्तीय रिपोर्ट में केवल वित्तीय विवरण (जैसे लाभ-हानि लेखा और तुलनपत्र) ही शामिल नहीं, बल्कि अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी दी जाती हैं, जैसे कि व्यवसाय के संबंध में प्रबंधकों की भावी योजनाएँ तथा अपेक्षाएँ क्या हैं?

"व्यापार" शब्द का अर्थ है खरीदना और बेचना। इसलिए खरीदने और बेचने वाले व्यक्ति को व्यापारी कहा जाता है। व्यापारी उत्पादक और उपभोक्ता के बीच में बिचौलिए (middleman) का काम करता है।

व्यापार थोक भी हो सकता है और फुटकर भी। थोक व्यापारी उत्पादकों से बड़ी मात्रा में सामान खरीदता है और उसे फुटकर व्यापारियों को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बेचता है।

यहां "ऋणदाता", "लेनदार", "निवेशकर्ता", "लाभ-हानि लेखा", "तुलनपत्र", "बिचौलिए", "थोक", "फुटकर", "वित्तीय रिपोर्ट" आदि शब्दों पर ध्यान दीजिए। वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में परंपरागत शब्दावली के लेनदार", "बिचौलिए", "थोक", "फुटकर"—के साथ ही "ऋणदाता", "निवेशकर्ता", "उपभोक्ता", "तुलनपत्र" जैसे शब्द हैं जो इस क्षेत्र के अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय के रूप में निर्धारित गये हैं। इस क्षेत्र में अंग्रेजी की काफी शब्दावली भी ग्रहण की गई है जिसका आप समय-समय पर इस्तेमाल करते रहते हैं। "शेयर", "रिकार्ड", "डिबेंचर", "कैशमीमो" आदि ऐसे ही शब्द हैं। नीचे दिए गए कुछ उदाहरण देखिए :

उदाहरण 1

उद्योग-व्यापार

मसालों में तेजी का सप्ताह

हल्दी में तेजी, छुहारे लुढ़के

दिल्ली, 20 दिसम्बर (एन. एन. एस.)। अभी दक्षिण के पैदावारी क्षेत्रों से हल्दी, इलायची लालमिर्च आदि मसालों की आवकें सामान्य नहीं हुईं। इसके अलावा शहर में आटो वाहनों के आवागमन पर रोक के कारण ठेले वालों ने चौगुने भाड़े मांगने शुरू कर दिये। परिणामस्वरूप विगत सप्ताह छोटी इलायची, हल्दी, जीरा आदि मसालों में तेजी का रुख रहा। हल्दी 100/250 रुपए से उछल कर 2500/3500 रुपए हो गयी।

मेवों में हालांकि कारोबार कमजोर था क्योंकि दिसावरी मांग अभी बढ़नी शुरू नहीं हुई तथापि बादाम अफगानी तथा काजू में मजबूती रही। दिसावरी मांग के अभाव में छुहारे 400/500 रुपए लुढ़क कर 250/650 रुपए प्रति क्विंटल रह गये। गोला तेजी के बाद 4500/6000 रुपए क्विंटल बोला गया।

प्रस्तुत उदाहरण में प्रयुक्त शब्दावली पर ध्यान दीजिए ''तेजी'', ''लुढ़के'', ''आवक'', ''दिसावरी'' आदि शब्द व्यापार क्षेत्र की पारंपरिक शब्दावली से आए हैं।

उदाहरण-2

पूंजी बाजार : उतार-चढ़ाव का साप्ता. विश्लेषण

शेयरों में चौतरफा गिरावट

दिल्ली, 20 दिसम्बर (एन. एस. एस.)। विगत सप्ताह भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव के बावजूद राव सरकार के गिरने के फिलहाल आसार न होने, वित्तीय संस्थाओं की लिवाली व बिकवालों की पटान से स्थानीय शेयर बाजार में हालांकि बाद में सुधार हुआ परन्तु देश में अयोध्या कांड से हुए भारी नुकसान के कारण शुरू में काफी गिरावट से पूर्व स्तर की तुलना में एसीसी 190 रुपए नीचा रह गया। जे. के. इंड, महावीर स्पिनिंग, मालवा कॉटन, रिलायंस, टेल्को और टिस्को 23 से 27.50 रुपए निकल गए। डी. सी. एम. व एस. के. बी. में काम ही नहीं हुआ। रोकड़ा वर्ग में आई. टी. सी. तथा ओसवाल फैट्स में 35/60 रुपए तथा अनुमति प्राप्त वर्ग में ए. डी. एफ. सी. व आई. सी. आई. सी. आई. 75/80 रुपए पीछे रह गए। गत 7 से 12 दिसम्बर तक स्थानीय शेयर बाजार कर्फ्यूग्रस्त रहा। इसलिए 4 दिसम्बर की तुलना में शेयर बाजार का सूचकांक 607.37 अंक से गिर कर गत सप्ताह 27 नवम्बर के 564.16 अंक को क्रास करते हुए 554.01 अंक

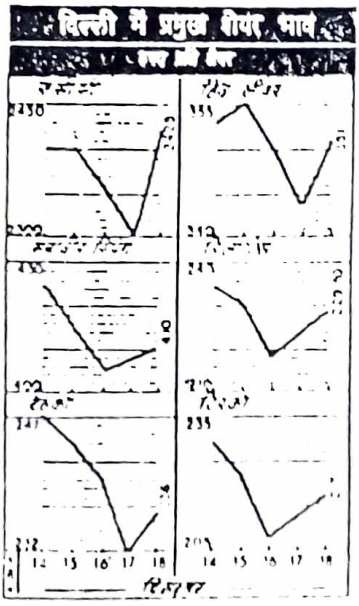

तक आने के पश्चात अंत में 566.71 अंक तक आ पाया था। बंबई में भी वह गत सप्ताह 2401 अंक का पिछला नीचा स्तर क्रास करके 2374.72 अंक होने के बाद अंत में 2476.89 अंक हो गया था। आंतरिक धारणा सुधार की बताई गई।

इस उदाहरण में ''लिवाली'', ''बिकवालों'', ''पटान'', ''रोकड़ा'' जैसी शब्दावली के साथ ही ''शेयर'', ''क्रास'' आदि प्रयोगों पर ध्यान दीजिए।

आधुनिक व्यापार और वाणिज्य में बैंकों की भूमिका बड़ी ही महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकांश लेन-देन बैंकों के माध्यम से ही होता है। आम आदमी के जीवन में भी बैंक एक अनिवार्य अंग है। अपना बचत खाता रखने के अलावा विभिन्न प्रकार की अदायगी रखने, कर्ज लेने आदि के लिए भी बैंक से संपर्क करना पड़ता है। इसीलिए बैंक के कामों में हिंदी का पर्याप्त प्रचलन है। उनके फार्म और अन्य कागजात अक्सर द्विभाषिक होते हैं। बचत खाता, जमापर्ची, आदेशपत्र, चैक, बैंक ड्राफ्ट आदि के फार्मों में हिंदी का प्रयोग होता है। इनकी फार्मों और प्रपत्रों की शब्दावली के साथ ही वाक्य रचना पर ध्यान देने पर आप इसके विशिष्ट मुहावरे से परिचित होंगे।